भारतीयों द्वारा भारतीयता के विचार से ओतप्रोत भारत के संसद भवन के निर्माण का शुभारम्भ हमारी लोकतांत्रिक परम्पराओं के सबसे अहम पड़ावों में से एक है : प्रधानमंत्री

.....

"हमें संकल्प लेना है... ये संकल्प हो इंडिया फर्स्ट का": प्रधानमंत्री

... ..

वह दिन अब दूर नहीं जब पूरी दुनिया कहेगी कि भारत ' मदर ऑफ़ डेमोक्रेसी ' है : प्रधानमंत्री

... ..

"संसद भवन देश की आजादी, संविधान की रचना और अनेक ऐतिहासिक कानूनों के निर्माण का साक्षी रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

... ..

"जनप्रतिनिधि जल्द ही आधुनिक तकनीकयुक्त, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल नए संसद भवन में जनता की आशाओं, अपेक्षाओं और उम्मीदों को कुशलता और दक्षता से पूरा कर पाएंगे: लोक सभा अध्यक्ष

... .

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर 2020 : प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद भवन परिसर में नए संसद भवन का शिलान्यास किया।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

केन्द्रीय मंत्री; संसद सदस्य और अन्य विशिष्टजन भी इस समारोह में शामिल हुए।

राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश ने इस अवसर पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के सन्देश पढ़े।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में मील के पत्थर की तरह है। भारतीयों द्वारा भारतीयता के विचार से ओतप्रोत भारत के संसद भवन के निर्माण का शुभारम्भ हमारी लोकतांत्रिक परम्पराओं के सबसे अहम पड़ावों में से एक है । उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत अपनी आजादी के 75 वर्ष का पर्व मनाए, तो उस पर्व की साक्षात प्रेरणा हमारी संसद की नई इमारत बने।

श्री मोदी ने कहा कि नए संसद भवन में सांसदों की एफिशेंसी बढ़ाने और वर्क कल्चर में आधुनिक तौर–तरीकों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने संसद भवन ने स्वतन्त्रता के बाद के भारत को दिशा दी तो नया भवन आत्मनिर्भर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का गवाह बनेगा।

श्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र एक संस्कार है और वह दिन अब दूर नहीं जब पूरी दुनिया कहेगी कि भारत मदर ऑफ़ डेमोक्रेसी है । उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र सदियों के अनुभव से विकसित हुई व्यवस्था है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत के लोकतंत्र में समाई शक्ति ही देश के विकास को नई ऊर्जा दे रही है, देशवासियों को नया विश्वास दे रही है, उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र नित्य नूतन हो रहा है और भारत में हम हर चुनाव के साथ वोटर टर्न आउट को बढ़ते हुए देख रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि जन प्रतिनिधियों का समर्पण, सेवा भाव और उनका आचार–विचार–व्यवहार ही लोकतंत्र के इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करेगा।

राष्ट्रवाद की भावना की बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमें संकल्प लेना है.. ये संकल्प हो इंडिया फर्स्ट का । हम सिर्फ और सिर्फ भारत की उन्नति, भारत के विकास को ही अपनी आराधना बना लें। हमारा हर फैसला देश की ताकत बढ़ाए। हमारा हर निर्णय एक ही तराजू में तौला जाए और वह है – देश का हित सर्वोपरि।

अपने संबोधन में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने कहा कि आज देश के लिए गौरव का दिन है, लोकतंत्र के 70 वर्षों की यात्रा में भारत के नागरिक, न्याय, स्वतंत्रता, पंथ निरपेक्षता, समता, एकता, अखण्डता और बंधुत्व की भावना के प्रति संकल्पित रहे हैं।

वर्तमान संसद भवन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि संसद भवन का निर्माण 1927 में केंद्रीय लेजिस्लेटिव एसेंबली के रूप में हुआ और यह लोगों के विश्वास और आकांक्षाओं का प्रतीक है। संसद भवन देश की आजादी, संविधान की रचना और अनेक ऐतिहासिक कानूनों के निर्माण का साक्षी भी रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में सांसदों के संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने के लिए मौजूदा भवन में विस्तार की संभावना बहुत कम है। ऐसे में एक नए संसद भवन की आवश्यकता है। श्री बिरला ने कहा कि संसद के दोनों सदनों के माननीय सदस्यों की अनेक वर्षों से इच्छा थी कि विश्व के सबसे बड़े कार्यशील एवं जीवंत लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण हो।

इस मौके पर उन्होंने प्रधान मंत्री,श्री नरेंद्र मोदी को 'नए आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की संसद के नए भवन की नींव रखने पर धन्यवाद देते हुए कहा कि माननीय सांसदों एव सदन की भावनाओं को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने नए संसद भवन के निर्माण की स्वीकृति दी और आज वह शुभ दिन आया है जब उनके कर–कमलों से नए संसद भवन का भूमिपूजन और शिलान्यास हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही आधुनिक तकनीकयुक्त, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल नए संसद भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर जनप्रतिनिधि जनता की आशाओं, अपेक्षाओं और उम्मीदों को कुशलता और दक्षता से पूरा कर पाएंगे।

इससे पहले अपने स्वागत भाषण में, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री हरदीप सिंह पुरी ने विशिष्टजनों का स्वागत किया और नए संसद भवन का शिलान्यास करने के लिए प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि नया संसद भवन आत्म निर्भर भारत का उज्ज्वल प्रतीक और विश्व के सबसे बड़े और प्राचीन लोकतंत्र का मंदिर होगा।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री, श्री प्रहलाद जोशी ने प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी को इस अवसर की शोभा बढ़ाने और प्रेरणादायी सम्बोधन के लिए धन्यवाद दिया । उन्होंने इस अवसर को भव्य और यादगार बनाने के लिए लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला द्वारा किए गए अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

इससे पहले प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन का भूमि पूजन किया। तत्पश्चात, श्री मोदी ने शिलालेख का अनावरण किया और भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर धर्मगुरुओं ने सर्व धर्म प्रार्थनाएं भी की।

अनेक राज्यों के राज्यपाल / उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधान सभाओं / परिषदों के अध्यक्ष / सभापति और राज्य विधानमंडलों के उपाध्यक्ष / उप सभापति भी एन आई सी द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस समारोह में शामिल हुए। सरकार के वीडियो पोर्टल से इस समारोह का वेब प्रसारण भी किया गया।

नए संसद भवन के निर्माण का प्रस्ताव भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति, श्री एम वैंकेया नायडू और लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने 5 अगस्त 2019 को क्रमशः राज्य सभा और लोक सभा में किया था।

इसके बाद, यह मामला सामान्य प्रयोजनों संबंधी समिति को भेजा गया जिसके सभापति लोक सभा अध्यक्ष हैं। इस समिति ने नए संसद भवन के डिज़ाइन के बारे में विस्तृत प्रस्ताव भेजे। साथ ही यह सिफारिश भी की गई कि पूरे देश से आए दस्तकार और मूर्तिकार अपना योगदान देते हुए इस नए संसद भवन में भारत की सांस्कृतिक विविधता का परिचय देंगे ।

वर्तमान संसद भवन के नज़दीक प्लाट संख्या 118 पर निर्मित किए जाने वाले इस नए संसद भवन में बेहतर सुविधाएं, अधिक स्थान और आधुनिक प्रौद्योगिकी होगी जिससे हमारी वर्तमान और भावी आवश्यकताएं पूरी होंगी।